Principles of Sociology

B.A Part I H
Paper -1

(Sociology)
1/10/20

Types of social Mobility
सामाजिक गतिशीलता के प्रकार

सोरोकिन के अनुसार सामाजिक गतिशीलता के दो प्रमुख कारण है।

(1) क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता (Horizontal Social Mobility)
(2) उदग्र सामाजिक गतिशीलता vertical Social Mobility)

क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता वह है जिसमे कि एक व्यक्ति या सामाजिक वस्तु का एक ही स्तर मे स्थित एक समूह से दूसरे समूह मे स्थानान्तरण होता है। एक व्यक्ति का शास्त्रीय हिन्दु धर्म को छोड़कर आर्य समाजी या ब्रह्मसमाजी बन जाना या दिल्ली से लखनऊ आकर बस जाना अथवा पति या पत्नी के रूप मे विवाह के पश्चात् एक परिवार को छोड़कर दूसरे परिवार का सदस्य बन जाना अथवा एक ही तरह के व्यावसायिक पर एक फैक्ट्री या दफ्तर से दूसरी फैक्ट्री या दफ्तर मे चला जाना आदि सब सामाजिक गतिशीलता का उल्लेख किया जा सकता है। एक व्यक्ति या वस्तु का समान स्तर वाले समूहो या स्थानो मे स्थानान्तरण होना ही क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता है।

उदग्र सामाजिक गतिशीलता — वह है जिसमे कि एक व्यक्ति या सामाजिक वस्तु का स्थानान्तरण एक सामाजिक स्तर से अन्य सामाजिक स्तर मे होता है। उदाहरण- यदि एक व्यक्ति का स्थानान्तरण, लाटरी जीत जाने के कारण, निम्न वर्ग के लोगो मे चला जाता है तो उसे उदग्र सामाजिक गतिशीलता कहेंगे। इस अर्थ मे, उच्च सामाजिक स्थिति को ~~एक~~ से निम्न सामाजिक स्थिति को अथवा निम्न सामाजिक-स्थिति से उच्च सामाजिक स्थिति ~~से~~ को एक व्यक्ति या वस्तु के स्थानान्तरण को ही उदग्र सामाजिक गतिशीलता कहते है। इसलिए सोरोकिन ने लिखा है कि स्थानान्तरण की दिशा के आधार पर उदग्र सामाजिक गतिशीलता कहते है

Scanned by TapScanner

सोरोकिन ने लिखा है कि स्थानान्तरण की दिशा के आधार पर उदग्र सामाजिक गतिशीलता के दो प्रकार हो सकते हैं ऊर्ध्वगामी और अधोगामी अथवा सामाजिक उत्थान और सामाजिक पतन इस प्रकार की ऊर्ध्वगामी और अधोगामी सामाजिक गतिशीलता हमे अन्य अनेक क्षेत्रो के अतिरिक्त मुख्यतः आर्थिक राजनैतिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र मे देखने को मिलती है। उदाहरण - एक लखपति व्यक्ति सट्टे मे हारकर दिवालिया की स्थिति मे उतर सकता है अथवा एक साधारण आर्थिक हैसियत का व्यक्ति लाटरी जीतकर लखपति बन सकता है इसी प्रकार राजनैतिक क्षेत्र मे जो आज तक मुख्यमंत्री है वह कल को विरोधी- पक्ष का एक अधिकार -रहित नेता बन सकता है और जो आजतक विरोधी पक्ष का एक सत्ताहीन सदस्य है वह कल को अपने राजनैतिक दाँव - पेच के कारण मुख्यमंत्री बन सकता है और बनता भी है उसी तरह अनेक क्लर्कों को हम प्रोफेसर या अफसर बन जाते देखते है और साथ ही अनेक बाबुओ को नौकरी छूट जाने पर मेहनत मजदूरी करते भी देख सकते है।

Prem-
Dr. Anil Kumar
Reader
Deptt of Sociology
Sher Shah College
Sasaram.

Scanned by TapScanner